RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

इजराइल-ईरान संघर्ष / Israel–Iran conflict

संदर्भ:

13 जून 2025 को, इज़राइल ने **"ऑपरेशन राइजिंग लायन" (Operation Rising Lion) नामक एक गुप्त अभियान** के तहत ईरान के दर्जनों शहरों और ठिकानों पर व्यापक सैन्य हमले किए। यह कदम IAEA द्वारा ईरान पर परमाणु सुरक्षा समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाये जाने के तुरंत बाद उठाया गया है।

- इस अभियान में इज़राइली रक्षा बलों (IDF) और खुफिया एजेंसी मोसाद ने मिलकर ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों और सैन्य ठिकानों को गंभीर नुकसान पहुँचाया। जिसके जबाब में ईरान ने इजरायल पर जवाबी हमले शुरू कर दिया।
- दोनों देशों के बीच यह संघर्ष वैश्विक शांति के लिए खतरा दिख रहा है।

इज़राइल और ईरान के बीच हालिया टकराव के पीछे कारण-

1. IAEA का प्रस्ताव:

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के बोर्ड ने ईरान को 1974 के सेफगार्ड समझौते का उल्लंघनकर्ता घोषित किया।
- यह निर्णय ईरान की कुछ अघोषित साइटों पर उच्च स्तर का समृद्ध यूरेनियम मिलने के बाद लिया गया।

2. परमाणु वार्ता का विफल होना:

- ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच हुई परमाणु वार्ताएं यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर गतिरोध के कारण विफल रहीं।
- इज़राइल ने इसे तेहरान द्वारा एक राजनयिक अवसर के रूप में उपयोग करने की रणनीति माना।

3. सैन्य रणनीति में बदलाव:

- इज़राइल का मानना है कि ईरान समर्थित गुटों पर हमला अब प्रभावी नहीं रहा।
- इसलिए उसने सीधे तेहरान पर हमला करने का निर्णय लिया, जिससे मुख्य स्रोत को निशाना बनाया जा सके।

4. इज़राइल की आंतरिक राजनीति:

- प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू घरेलू राजनीतिक दबाव में हैं।
- उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा संकट का उपयोग कर चुनावों से बचने और सत्ता पर पकड़ मजबूत करने की रणनीति अपनाई।

5. रणनीतिक समय-निर्धारण:

- इज़राइल ने यह कार्रवाई 18 अक्टूबर से पहले की, जब ईरान पर लगे परमाणु प्रतिबंध समाप्त होने वाले थे।
- इसका उद्देश्य पश्चिमी देशों द्वारा ईरान के साथ संभावित कूटनीतिक पुन:संपर्क को कमजोर करना हो सकता है।

Israel-Iran संघर्ष के संभावित प्रभाव:

क्षेत्रीय सुरक्षा:

- **प्रॉक्सी युद्ध का विस्तार:** ईरान समर्थित समूह (हिज़बुल्लाह, हमास, हौथी, पीएमएफ) कई मोर्चों पर हमला तेज कर सकते हैं।
- **कमज़ोर देशों की अस्थिरता:** लेबनान, इराक, सीरिया और यमन में हिंसा, राजनीतिक पतन और मानवीय संकट की आशंका।

समुद्री व ऊर्जा जोखिम:

- **समुद्री मार्गों की असुरक्षा:** स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, बाब-अल-मंदब और पूर्वी भूमध्यसागर जैसे अहम मार्गों पर खतरा बढ़ेगा।
- **तेल की कीमतों में उछाल:** यदि युद्ध ने ईरान के तेल निर्यात को रोका, तो वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट गहरा सकता है।

भारत पर प्रभाव (Impact on India):

- **तेल आपूर्ति पर खतरा:** भारत की 60% से अधिक कच्चे तेल की जरूरत पश्चिम एशिया से पूरी होती है—विघटन से आर्थिक दबाव और महंगाई बढ़ेगी।
- **प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा:** खाड़ी देशों में रह रहे करोड़ों भारतीयों को खतरा—निकासी और रेमिटेंस पर असर।
- **कूटनीतिक संतुलन:** भारत को ईरान, इज़राइल और अरब देशों के साथ संतुलन बनाए रखना होगा—युद्ध की स्थिति में विदेश नीति चुनौतीपूर्ण होगी।

भारत और फ्रांस संबंध / India and France relations

संदर्भ:

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो के साथ व्यापक चर्चा की। दोनों देशों ने **रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष और नागरिक परमाणु सहयोग** जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। इस बातचीत को भारत-फ्रांस रणनीतिक संबंधों को नई गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

भारत-फ्रांस सहयोग: प्रमुख क्षेत्र-

रक्षा एवं सुरक्षा:

- दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को और सशक्त करने पर सहमति व्यक्त की।
- रणनीतिक साझेदारी को गहराने हेतु नियमित संवाद और संयुक्त अभ्यासों पर बल दिया गया।

अंतरिक्ष और असैन्य परमाणु सहयोग:

- अंतरिक्ष अनुसंधान और नागरिक परमाणु क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता।
- तकनीकी आदान-प्रदान और संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर जोर।

आतंकवाद विरोधी प्रयास:

- भारत ने सीमा-पार आतंकवाद के विरुद्ध फ्रांस की स्पष्ट स्थिति और भारत के आत्मरक्षा के अधिकार के समर्थन के लिए आभार जताया।
- आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दे:

- **भारतीय उपमहाद्वीप व इंडो-पैसिफिक:** क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा और कानून आधारित व्यवस्था पर चर्चा।
- **यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया:** दोनों पक्षों ने मतभेदों को कूटनीति के माध्यम से सुलझाने की आवश्यकता पर बल दिया।

अन्य सहयोग क्षेत्र:

- **प्रौद्योगिकी और नवाचार:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), नवाचार और तकनीकी विकास पर सहयोग को बढ़ावा।
- **जन-से-जन संपर्क:** शिक्षा, अनुसंधान और व्यवसाय के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने का संकल्प

भारत-फ्रांस संबंध: एक रणनीतिक साझेदारी-

रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत:

- यह भारत की पहली रणनीतिक साझेदारी थी, जिसकी शुरुआत 26 जनवरी 1998 को हुई।
- उद्देश्य: रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ाना और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना।

प्रमुख सहयोग क्षेत्र:

- **रक्षा एवं सुरक्षा:** राफेल लड़ाकू विमान (36), स्कॉर्पीन पनडुब्बियाँ (INS वाघशीर सहित 6), और संयुक्त युद्धाभ्यास (शक्ति, वरुणा, FRINJEX-23)।
- **अगली पीढ़ी के इंजन:** HAL और फ्रांस की Safran कंपनी IMRH कार्यक्रम के तहत इंजन सह-विकास पर कार्य कर रहे हैं।
- नौसेना के लिए 26 राफेल-M खरीदने के लिए हाल ही में अंतर-सरकारी समझौता (IGA) हुआ है।

आर्थिक सहयोग:

- फ्रांस, यूरोपीय संघ में भारत का पाँचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार $15.11 बिलियन तक पहुंचा।
- UPI भुगतान प्रणाली को फ्रांस में सफलतापूर्वक शुरू किया गया।
- नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचे और टिकाऊ विनिर्माण में फ्रांसीसी तकनीक भारत में लागू हो रही है।

अंतरिक्ष और ऊर्जा सहयोग:

- **60 वर्षों से ISRO और CNES (फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी) के बीच सहयोग।**
- **संयुक्त मिशन:** TRISHNA उपग्रह, MDA सिस्टम, ग्राउंड स्टेशन सहयोग।
- **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA):** 2015 में भारत और फ्रांस द्वारा स्थापित।
- **परमाणु ऊर्जा:** SMR और AMR पर सहयोग को लेकर 2025 में विशेष कार्यबल की पहली बैठक हुई।

एग्री स्टैक / Agri Stack

संदर्भ:

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन (Digital Agriculture Mission - DAM) के तहत **एग्री स्टैक (Agri Stack)** पर आधारित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में डिजिटल नवाचारों को बढ़ावा देना और किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है।

सम्मेलन के प्रमुख बिंदु (Key Highlights of the Conference):

1. **डिजिटल भूमि रिकॉर्ड और आधार सीडिंग की महत्ता:** सम्मेलन में किसानों की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल भूमि अभिलेख (Digital Land Records) और आधार सीडिंग (Aadhaar Seeding) की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया।
2. **एग्री स्टैक (Agri Stack) का अवलोकन:** कृषि मंत्रालय ने एग्री स्टैक की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें किसान आईडी (Farmer ID) को प्रमुख सरकारी योजनाओं जैसे पीएम-किसान (PM-KISAN), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) से जोड़ने की प्रक्रिया शामिल है।
3. **किसान पहचान पत्र (Digitally Verifiable Credential - DVC):** CKO (Chief Knowledge Officer) द्वारा डिजिटल रूप से सत्यापित किसान पहचान पत्र (DVC) की शुरुआत की गई, जिससे किसान अपने खेत और फसल से जुड़ी प्रामाणिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
   - यह DVC डिजिलॉकर (DigiLocker) से एकीकृत है।
   - भूमि में परिवर्तन (mutation) होने पर इसे स्वतः निरस्त (revoke) कर दिया जाता है।
4. **विशेष केंद्रीय सहायता (Special Central Assistance - SCA) दिशानिर्देशों का शुभारंभ:** मंत्रालय ने SCA गाइडलाइंस जारी कीं, जिसके तहत राज्यों को कुल ₹6,000 करोड़ की सहायता प्रदान की जाएगी:
   - ₹4,000 करोड़: किसान रजिस्ट्री और कानूनी उत्तराधिकारी प्रणाली (Legal Heir System) के लिए।
   - ₹2,000 करोड़: डिजिटल फसल सर्वेक्षण (Digital Crop Survey) के लिए। यह सहायता 'पहले आओ, पहले पाओ' (first-come-first-served) के आधार पर दी जाएगी।
5. **बहुभाषी एआई-समर्थित चैटबॉट का प्रदर्शन:** मंत्रालय ने एक एआई-सक्षम चैटबॉट प्रस्तुत किया, जिसे एग्री स्टैक डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है और यह **Google Gemini** तकनीक पर आधारित है।
   - यह चैटबॉट किसानों की विभिन्न भाषाओं में पूछी गई कृषि संबंधी जानकारी का उत्तर देने में सक्षम है।

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन (DAM)

शुरुआत: भारत सरकार द्वारा

उद्देश्य: कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण डिजिटल तकनीकों और डेटा आधारित समाधानों के माध्यम से करना।

मुख्य डिजिटल आधार:

1. **एग्री स्टैक (Agri Stack):**
   - यह एकीकृत डिजिटल ढांचा है जो किसानों से जुड़ी जानकारियाँ, भूमि अभिलेख, फसल पैटर्न और सरकारी योजनाओं को जोड़ता है।
   - इसका उद्देश्य सेवाओं और लाभों को लक्षित रूप से किसानों तक पहुँचाना है।
2. **कृषि निर्णय समर्थन प्रणाली (Krishi DSS):**
   - यह एक भौगोलिक सूचना आधारित प्लेटफॉर्म है।
   - इसमें निम्नलिखित डेटा को एकीकृत किया जाता है:
     - मृदा स्वास्थ्य
     - मौसम पूर्वानुमान
     - फसल पैटर्न
     - जल संसाधन
   - इससे भविष्यवाणी आधारित विश्लेषण और बेहतर योजना निर्माण संभव होता है।

अतिरिक्त प्रमुख घटक:

- **मृदा प्रोफ़ाइल मैपिंग (Soil Profile Mapping)**
  - भूमि की गुणवत्ता से संबंधित विस्तृत डेटा एकत्रित करना और उसका विश्लेषण करना।
  - यह सटीक कृषि (Precision Farming) और बेहतर भूमि उपयोग योजना में मदद करता है।

महत्त्व:

- डेटा-आधारित कृषि को बढ़ावा
- सरकारी योजनाओं की दक्षता में सुधार
- किसानों को समय पर और स्थान-विशिष्ट जानकारी की उपलब्धता
- सतत एवं जलवायु-लचीली कृषि को समर्थन

भारत में स्वास्थ्य कवर, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सेतु निर्माण / Bridging health cover, mental healthcare in India

संदर्भ:

भारत में अब मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को भी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत शारीरिक बीमारियों के बराबर कवरेज दिया जा रहा है। यह परिवर्तन **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI)** के निर्देश के बाद संभव हुआ है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो लोगों को मानसिक बीमारियों को भी उसी दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रोत्साहित करेगा जैसा वे शारीरिक रोगों के प्रति अपनाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य स्थितियाँ (Mental Health Condition):

1. **परिभाषा और प्रभाव:** मानसिक स्वास्थ्य स्थितियाँ ऐसी विविध मानसिक विकृतियाँ होती हैं जो व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थिति को प्रभावित करती हैं।
2. **WHO की परिभाषा:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ सोचने, भावनाओं को नियंत्रित करने या व्यवहार में गंभीर गड़बड़ियों से जुड़ी होती हैं।
3. **प्रभाव और जोखिम**
   - ये स्थितियाँ व्यक्ति को मानसिक पीड़ा (distress) पहुंचा सकती हैं।
   - रोज़मर्रा के जीवन में कार्यक्षमता को बाधित कर सकती हैं।
   - आत्म-हानि (self-harm) का खतरा भी बढ़ जाता है।
4. **वैश्विक आँकड़े**
   - दुनियाभर में हर 5 में से 1 वयस्क किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से प्रभावित होता है।
   - WHO के अनुसार, उपचार न होने पर मानसिक बीमारियों के कारण हर वर्ष **$1 ट्रिलियन से अधिक की उत्पादकता हानि** होती है।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ:

1. मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **विशेषज्ञों की भारी कमी:**
   - भारत में प्रति 1 लाख जनसंख्या पर केवल **0.75 मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ** (Psychiatrists) हैं।
   - जबकि WHO की सिफारिश **3 विशेषज्ञ प्रति 1 लाख** है।
2. **कलंक और जागरूकता की कमी (Stigma & Lack of Awareness):**
   - समाज में मानसिक बीमारी को लेकर अब भी नकारात्मक सोच है।
   - बहुत से लोग मदद लेने में हिचकते हैं।
3. **सीमित बीमा कवरेज:**
   - कानून के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य बीमा में शामिल है,
   - फिर भी कई बीमा योजनाओं में अब भी प्रतिबंध लगे हैं।
4. **शहरी-ग्रामीण असमानता:**
   - शहरी क्षेत्रों में सुविधाएं अधिक हैं,
   - ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं सीमित हैं और पहुँच बहुत कम है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए सरकारी योजनाएँ और पहल:

1. **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017:**
   - मानसिक और शारीरिक बीमारियों को बराबरी का दर्जा।
   - सभी बीमा कंपनियों को मानसिक स्वास्थ्य इलाज को कवर करना अनिवार्य।
2. **राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP – 1982):** कमजोर वर्गों तक सुलभ और सस्ती मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना।
3. **जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (DMHP – 1996):** प्राथमिक स्तर पर बीमारी की पहचान, इलाज और जन-जागरूकता अभियान चलाना।
4. **टेली-मानस (Tele-MANAS):**
   - एक डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य सेवा।
   - दूरदराज़ के क्षेत्रों में टेली-कंसल्टेशन और सपोर्ट प्रदान करता है।
5. **राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति:**
   - आत्महत्या की दर को कम करने के लिए बनाई गई नीति।
   - जन-जागरूकता, समय पर हस्तक्षेप और सहायता प्रणाली पर ज़ोर।
6. **वर्कप्लेस मानसिक स्वास्थ्य पहल:**
   - अब कई कंपनियाँ कर्मचारियों की बीमा योजनाओं में मानसिक स्वास्थ्य लाभ शामिल कर रही हैं।
   - यह एक सकारात्मक सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाता है।

कर्नाटक में ऑनलाइन बाल यौन शोषण पर अध्ययन / Study On Online Child Sexual Abuse In Karnataka

संदर्भ:

कर्नाटक में बच्चों के साथ ऑनलाइन **यौन शोषण और दुर्व्यवहार** पर किए गए एक पायलट अध्ययन में सिफारिश की गई है कि डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा को प्राथमिक स्तर से ही स्कूल पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। यह सुझाव बच्चों को इंटरनेट की दुनिया में सुरक्षित रखने और उन्हें जागरूक बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

ऑनलाइन बाल सुरक्षा पर अध्ययन और उससे जुड़े प्रमुख तथ्य:

1. अध्ययन से जुड़ी जानकारी (About the Study)

1. **संस्था द्वारा अध्ययन:** यह अध्ययन ChildFund India और कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (KSCPCR) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
2. **सर्वेक्षण का दायरा:**
    - 8 से 18 वर्ष की आयु के **903 बच्चों** पर यह सर्वे किया गया।
    - रिपोर्ट में पाया गया कि COVID-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन खतरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
3. **प्रमुख निष्कर्ष:** अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने में अभिभावकों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

2. ऑनलाइन बाल यौन शोषण और शोषण की परिभाषा:

1. **ऑनलाइन बाल यौन शोषण (Online Child Sexual Abuse):**
    - यह तकनीक (Technology) का उपयोग कर बच्चों को यौन रूप से नुकसान पहुँचाने की प्रक्रिया है।
    - इसमें अक्सर **जबरदस्ती (force), दबाव (coercion), या मानसिक चालबाज़ी (manipulation)** का उपयोग किया जाता है।
2. **बाल यौन शोषण (Child Sexual Abuse):**
    - ऐसी शारीरिक या मानसिक इंटरैक्शन जिसमें बच्चे को उसकी इच्छा के विरुद्ध **यौन उद्देश्यों** के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
3. **बाल यौन शोषण के साथ शोषण (Child Sexual Exploitation):**
    - जब यौन शोषण के साथ **खाद्य, आश्रय, धन या अन्य लाभ** के बदले बच्चे का उपयोग किया जाता है।
    - इसमें बच्चों को लालच देकर या मजबूरी में फँसाकर यौन कार्य करवाना शामिल होता है।

अध्ययन की प्रमुख सिफारिशें:

1. डिजिटल साक्षरता और पाठ्यक्रम में सुधार

प्राथमिक स्तर से अनिवार्य डिजिटल शिक्षा:

- स्कूलों में **डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा** की शिक्षा अनिवार्य की जाए।
- यह शिक्षा बच्चों को साइबर खतरों से सतर्क और सुरक्षित बनाएगी।

उम्रानुसार टूलकिट का विकास: विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों के लिए **उपयुक्त शिक्षण सामग्री** तैयार की जाए, जिससे उन्हें ऑनलाइन सुरक्षा का व्यावहारिक ज्ञान मिले।

2. शिक्षक और अभिभावक की भागीदारी

- **शिक्षकों को प्रशिक्षण:** शिक्षकों को ऑनलाइन शोषण को **पहचानने और प्रतिक्रिया देने** का प्रशिक्षण दिया जाए।
- **ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों के लिए कार्यशालाएँ:** सहपाठी-नेतृत्व कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ, जिससे अभिभावकों को इंटरनेट सुरक्षा की जानकारी दी जा सके।
- **खुला संवाद बढ़ाना:** अभिभावकों और बच्चों के बीच ऑनलाइन व्यवहार को लेकर खुला संवाद बढ़ाया जाए।

3. सामुदायिक हस्तक्षेप:

- **जागरूकता कार्यक्रम:** समुदायों में Online Sexual Exploitation and Abuse of Children और अन्य ऑनलाइन खतरों पर **जागरूकता कार्यक्रम** चलाए जाएँ।
- **"डिजिटल सेफ्टी चैम्पियन" की नियुक्ति:** हर समुदाय में प्रशिक्षित डिजिटल सेफ्टी चैम्पियन तैयार किए जाएँ, जो बच्चों के लिए पहली प्रतिक्रिया देने वाले (first responders) बनें।
- **बच्चों की भागीदारी:** बच्चों को भी सुरक्षित डिजिटल स्थानों के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया जाए।

4. संस्थागत उपाय:

- **कर्नाटक OSEAC टास्क फोर्स का गठन:** रोकथाम, सहायता और पुनर्वास के लिए एक राज्य स्तरीय समन्वित टास्क फोर्स स्थापित की जाए।
- स्कूल, अभिभावक, NGO और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत किया जाए।

5. मजबूत सहायता और प्रवर्तन:

- **पीड़ितों के लिए सहायता सेवाएँ:** पीड़ित बच्चों के लिए **मानसिक स्वास्थ्य देखभाल** सहित बेहतर सहायता प्रणाली विकसित की जाए।
- **कड़े कानून और निगरानी तंत्र:** ऑनलाइन बाल शोषण को रोकने के लिए कड़े कानूनों का प्रवर्तन और निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए।

ब्लैक बॉक्स / black box

संदर्भ:

हाल ही में अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान की दुखद दुर्घटना ने **"ब्लैक बॉक्स"** की महत्ता को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। यह उपकरण विमान दुर्घटनाओं की जांच में अहम भूमिका निभाता है और दुर्घटना के कारणों को समझने में विशेषज्ञों की मदद करता है।

ब्लैक बॉक्स: विमानों की सुरक्षा में अहम भूमिका-

ब्लैक बॉक्स क्या है ?

1. **उद्देश्य (Purpose):**
   - ब्लैक बॉक्स विमान में लगे **फ्लाइट डेटा रिकॉर्डिंग डिवाइस** होते हैं।
   - इनका मुख्य कार्य दुर्घटनाओं की जांच और उड़ान सुरक्षा विश्लेषण में मदद करना है।
2. **विकास (Development)**
   - इसका पहला व्यावहारिक मॉडल ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक डेविड वॉरेन ने 1954 में बनाया, जब वे मिड-एयर विस्फोटों की जांच कर रहे थे।

रंग और दृश्यता:

- नाम भले ही 'Black Box' है, लेकिन इसे चमकदार नारंगी (Bright Orange) रंग में रंगा जाता है,
- साथ में परावर्तक सामग्री (reflective material) भी होती है, जिससे हादसे के बाद इन्हें आसानी से ढूंढा जा सके

ब्लैक बॉक्स के प्रकार:

1. **कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR):** पायलट की बातचीत, रेडियो सिग्नल, अलार्म की आवाज़ें, इंजन की गूंज आदि को रिकॉर्ड करता है।
2. **डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (DFDR):** विमान की ऊँचाई, गति, दिशा, इंजन की स्थिति, सिस्टम डेटा आदि हज़ारों डेटा पॉइंट्स प्रति सेकंड रिकॉर्ड करता है।
3. **एकीकृत इकाई (Single Combined Unit):** कुछ आधुनिक विमान CVR और DFDR को एक ही यूनिट में एकीकृत करते हैं।

4. काम करने का तरीका (How Does It Work?)

प्रकार	कार्य
CVR	अंतिम **2 घंटे** की ऑडियो रिकॉर्डिंग लगातार लूप में करता है।
DFDR	उड़ान से जुड़ा **25 घंटे** का डेटा स्टोर करता है।

ब्लैक बॉक्स की स्थिति और मजबूती:

स्थापना स्थान: आमतौर पर यह विमान के पूंछ वाले हिस्से (tail section) में लगाया जाता है क्योंकि क्रैश में यह हिस्सा अक्सर बचा रहता है।

मजबूती और सुरक्षा:

- ब्लैक बॉक्स **क्रैश-प्रूफ केसिंग** में होते हैं।
- ये 1,100°C तापमान, समुद्र की गहराई में दबाव और भारी टक्कर झेल सकते हैं।

अंडरवॉटर लोकेटर बीकन (ULB):

- हर ब्लैक बॉक्स में एक बीकन लगा होता है जो 30 दिनों तक सिग्नल भेजता है, जिससे समुद्र में खोजने में मदद मिलती है।

भारत में ब्लैक बॉक्स का उपयोग (Use of Black Boxes in India):

1. **नियम और जांच एजेंसी-**
   - भारत में विमान दुर्घटनाओं की जांच Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) द्वारा की जाती है,
   - जो नागर विमानन मंत्रालय (Ministry of Civil Aviation) के अधीन है।
   - ब्लैक बॉक्स डेटा प्राथमिक साक्ष्य के रूप में उपयोग होता है।
2. **हालिया विकास (April 2025)-**
   - भारत ने नई दिल्ली में पहली समर्पित फ्लाइट रिकॉर्डर प्रयोगशाला की स्थापना की है।
   - इससे देश की स्वतंत्र और तेज़ क्रैश डेटा जांच क्षमता में वृद्धि हुई है।

रुद्रास्त्र ड्रोन / Rudrastra Drone

संदर्भ:

हाल ही में भारतीय सेना ने नागपुर की Solar Aerospace and Defence Limited (SDAL) द्वारा तैयार किए गए घरेलू VTOL एम्स (Vertically Take-Off and Landing UAV) ड्रोन **रुद्रास्त्र** (Rudrastra) का पोखरण परीक्षण रेंज में सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

रुद्रास्त्र ड्रोन की विशेषताएँ:

1. दोहरी क्षमता वाला डिज़ाइन:

- यह ड्रोन **हेलिकॉप्टर की तरह उड़ान भर सकता है** और **विमान की तरह तेज़ गति से क्रूज़ कर सकता है**।
- इससे यह **बहु-उपयोगी (versatile)** और **रडार पर पकड़ में न आने वाला** बन जाता है।

2. स्मार्ट वॉरहेड से लैस:

- रुद्रास्त्र में **एंटी-पर्सनल वॉरहेड** लगे हैं।
- ये दुश्मन सैनिकों और उनके ठिकानों को **सटीकता से निशाना** बना सकते हैं।

3. लंबी दूरी पर हमला:

- यह **50 किमी से भी अधिक दूरी तक लक्ष्य को भेद** सकता है।
- **पोखरण परीक्षण** के दौरान, ड्रोन ने **170 किमी की पूरी दूरी** तय की और **लगभग 90 मिनट तक हवा में** बना रहा।

4. रीयल-टाइम निगरानी और वापसी:

- इसने उड़ान के दौरान **रीयल-टाइम वीडियो फीड** भेजी।
- **स्वत: वापसी की क्षमता** के साथ यह मिशन पूरा कर वापस लौट आया।

5. एयरबर्स्ट गोला-बारूद (Airburst Munition)

- इसने **कम ऊंचाई पर विस्फोटक गिराया**, जिससे **विस्तृत क्षेत्र में नुकसान** पहुंचा।
- यह तकनीक **दुश्मन के कैंप, तोपखाने और छिपे ठिकानों** को नष्ट करने में अत्यंत प्रभावी है।

6. गहरे इलाकों में स्ट्राइक:

- रुद्रास्त्र को खासतौर पर **दुश्मन की सीमा के भीतर स्थित ठिकानों** जैसे:
  - **तोपखाने (Artillery guns)**
  - **आतंकी अड्डों (Terrorist hideouts)**
  - **कमांड पोस्ट्स** पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

गाजा युद्धविराम प्रस्ताव/ Gaza Ceasefire Resolution

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारी बहुमत से एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें ग़ाज़ा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई है। यह कदम क्षेत्र में जारी हिंसा को समाप्त करने और मानवीय संकट को टालने की दिशा में एक वैश्विक प्रयास को दर्शाता है।

प्रस्ताव के प्रमुख तत्व (Key Elements of the Resolution)

1. **तत्काल और स्थायी युद्धविराम की मांग**
   - सभी पक्षों से **तुरंत, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम (permanent ceasefire)** की मांग की गई है।
   - **हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधकों की रिहाई** की भी अपील की गई है।
2. **UNSC प्रस्ताव 2735 का पूर्ण कार्यान्वयन**
   - इसमें शामिल है:
     - **सेना की वापसी**
     - **कैदियों की अदला-बदली**
     - **विस्थापितों की वापसी**
3. **मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून पर ज़ोर**
   - **भूख को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल** करने की निंदा।
   - **ग़ाज़ा में राहत पहुंच की पूर्ण स्वतंत्रता** की मांग।
4. **मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए लोगों के साथ मानवीय व्यवहार: रिहाई, अवशेषों की वापसी** और **न्यायिक प्रक्रियाओं का पालन** सुनिश्चित करने की बात कही गई है।
5. **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) से राय: इज़राइल की कानूनी जिम्मेदारियों** पर **सलाहात्मक राय** की मांग की गई है।

भारत की स्थिति (India's Position)

1. **भारत ने प्रस्ताव से खुद को अलग रखा (Abstention)**
   - भारत ने हाल ही में **UNGA में युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान से परहेज़ किया**,
   - जो पिछले **तीन वर्षों में चौथा अवसर** है जब भारत ने ऐसे प्रस्ताव से दूरी बनाई।
2. **नीति में बदलाव का संकेत (Shift in Policy)**
   - जबकि भारत ने **दिसंबर 2024** में इसी तरह के एक युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन किया था,
   - अब का **अब्सटेंशन** नीति में आंशिक बदलाव दिखाता है।

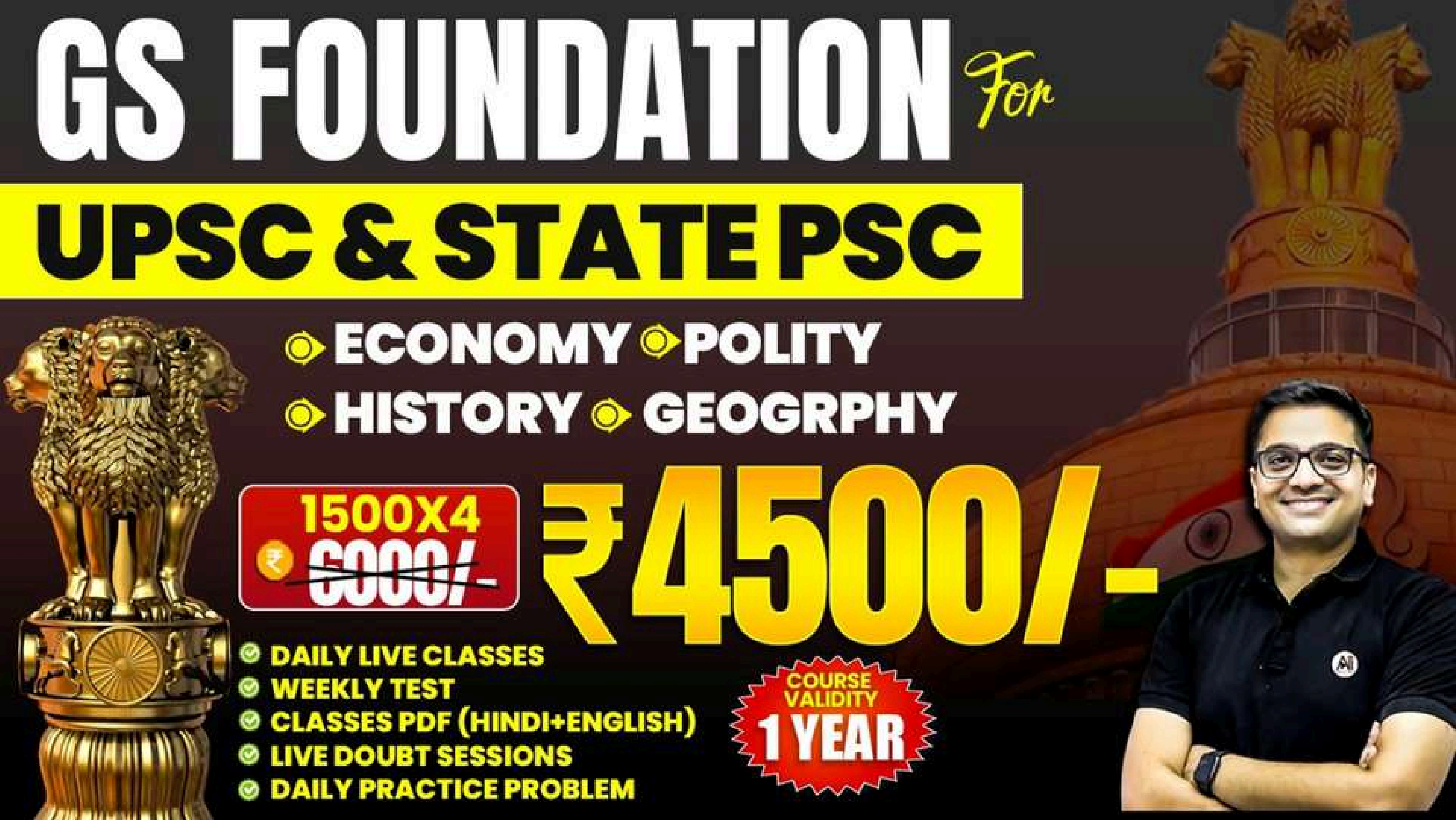
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

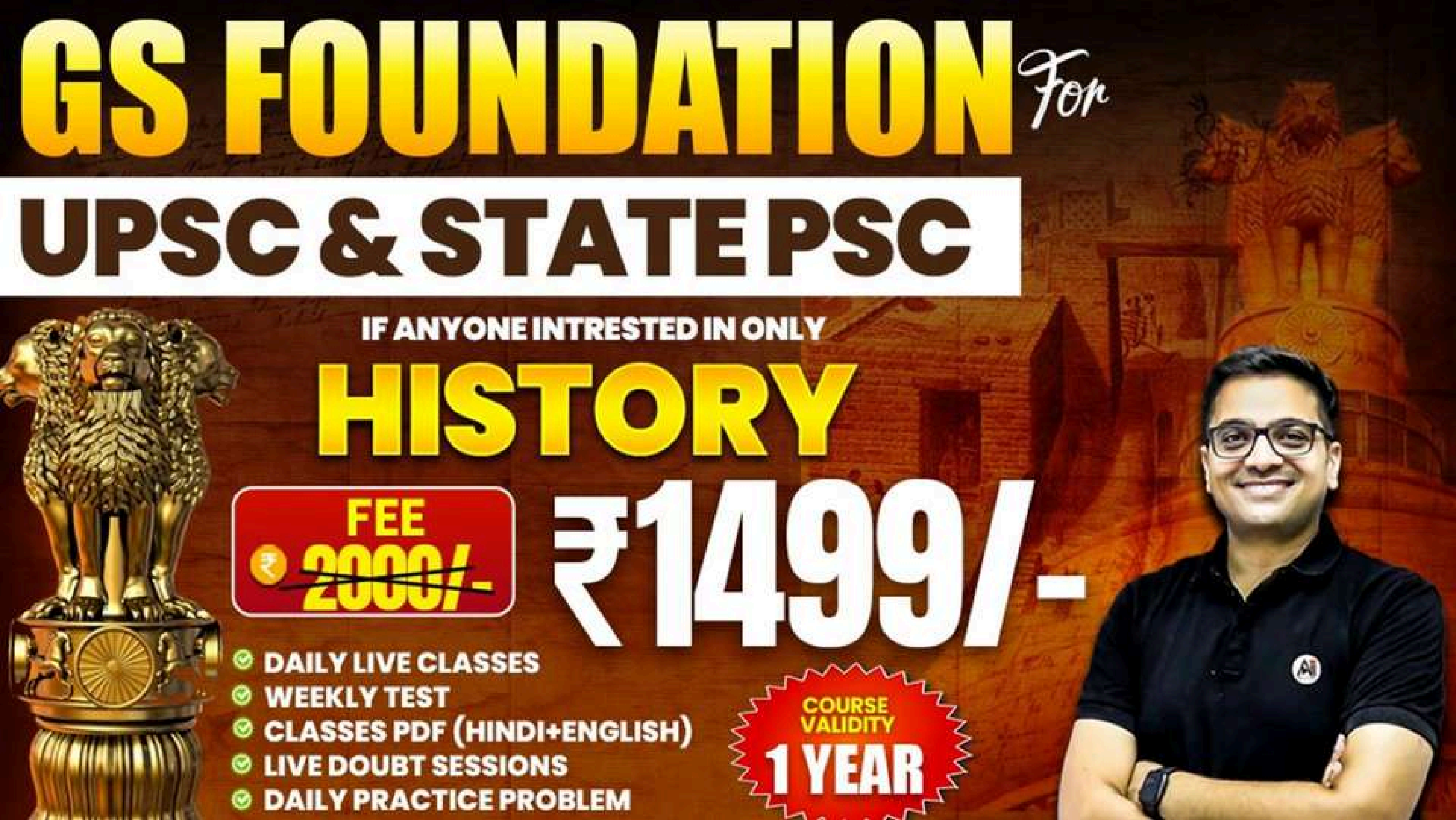
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

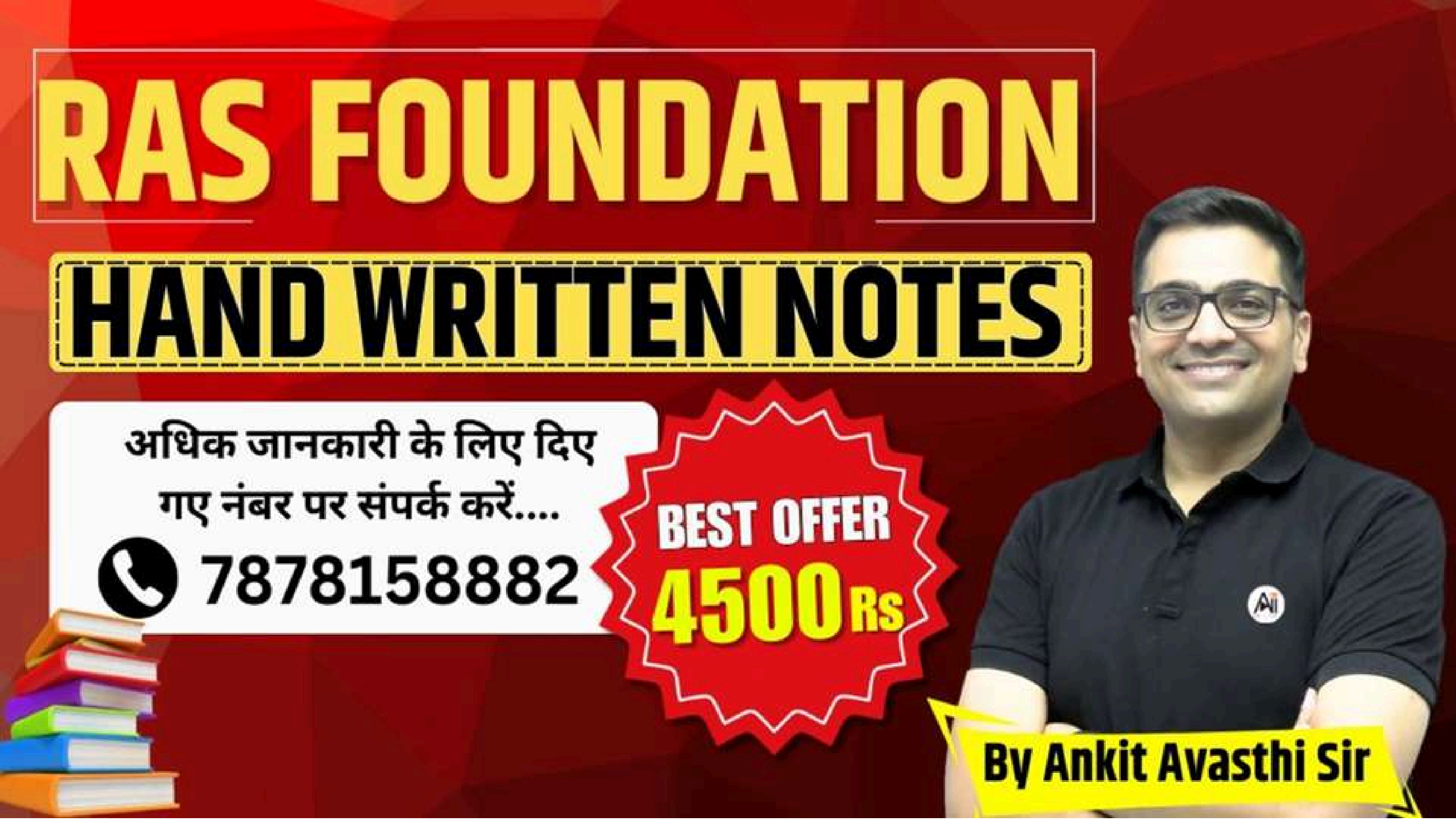
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: